AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस से सुधरेगा शिक्षक-छात्र अनुपात

विश्वविद्यालय ने तैयार किया विकास योजनाओं का खाका, तीन चरणों में होगा काम

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय अपना शिक्षक-छात्र अनुपात सुधारने के लिए अब वैकल्पिक संसाधनों का सहयोग लेगा। इसके तहत प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस और फेलोशिप को बढ़ावा देकर यह अनुपात सुधारा जाएगा। राजभवन के निर्देश के बाद लविवि ने अपनी विकास योजनाओं का खाका तैयार किया है। इसके तहत विकास योजना को लघु, मध्यम और दीर्घ अवधि में बांटा गया है। शिक्षक-छात्र अनुपात सुधार को मध्यम अवधि की योजना में शामिल किया गया है।

लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि उच्च स्तर की गुणवत्तापरक शिक्षा के लिए विजन प्लान जरूरी है। इसके तहत शून्य से तीन वर्ष, तीन से सात वर्ष और सात से 10 वर्ष की अवधि वाली तीन योजनाएं तैयार की गई हैं। हर भाग को व्यवस्थित तरीके से लागू किया जाएगा। डीन अकादमिक प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि अल्पावधि, मध्यावधि और दीर्घकालिक योजनाओं के क्रियान्वयन के बाद उनकी समीक्षा की जाएगी, जिससे कि प्रगति और उसमें होने वाले सुधार का आंकलन किया जा सके। सबसे अहम शिक्षक-छात्र अनुपात में सुधार है। इसके लिए प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस की नियुक्ति की जाएगी। ये वो विशेषज्ञ होंगे जिनके पास भले ही डिग्री न हो पर व्यावहारिक ज्ञान में वे किसी प्रोफेसर के समान हों। ये नियुक्ति कुछ समय के लिए होगी। इस तरह से विवि पर स्थायी आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा तथा शिक्षक-छात्र अनुपात सुधारने में मदद मिलेगी।

परंपरा और तकनीक दोनों का कदमताल

लविवि के अल्प अवधि के विजन प्लान में परंपरा और तकनीक दोनों का एक साथ संगम होगा। तीन साल की अवधि में जहां नैनो टेक्नोलॉजी और कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (डेटा साइंस) की पढ़ाई शुरू होगी तो दूसरी ओर इंडिक स्टडीज और फूलों की खेती, पुष्प शिल्प और जैविक खेती जैसे विषयों की पढ़ाई भी शुरू की जाएगी।

अल्प अवधि (शून्य से तीन वर्ष)

इस अवधि में फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, प्रोडक्शन एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग, एशियाई इतिहास, भारतीय संस्कृति का वैश्वीकरण, आधुनिक भारतीय ज्ञान प्रणाली, समकालीन इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं के योगदान और राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन की विभिन्न धाराओं जैसे राष्ट्रीय रूप से प्रासंगिक मुद्दों पर भी जोर दिया जाएगा। इसके साथ ही फैशन डिजाइनिंग, बीज गुणवत्ता/व्यवहार्यता परीक्षण, खाद्य परीक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा पर आधारित कार्यक्रम भी पाठ्यक्रम का हिस्सा बनेंगे।

इन हाउस स्टार्टअप और शिक्षक-छात्र अनुपात सुधार

मध्यावधि (तीन से सात वर्ष)

मध्यावधि विजन प्लान में 3-7 वर्षों की अवधि में विश्वविद्यालय नए संकायों की शुरुआत करेगा। इंटरैक्टिव शिक्षण उपकरणों से लैस नई शिक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना, व्यवहार विज्ञान, सांख्यिकीय मॉडलिंग आदि जैसे उन्नत अध्ययन के अंतःविषय केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे। इसके साथ ही इन-हाउस स्टार्टअप्स को समर्थन देने और नई शिक्षण रिक्तियों, सहायक शिक्षण पदों को जोड़कर, प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस की नियुक्ति और फेलोशिप कार्यक्रमों के माध्यम से संकाय सदस्यों को शामिल कर छात्र-शिक्षक अनुपात में सुधार किया जाएगा।

ऑनलाइन शिक्षण माध्यम से विदेशी में खुलेगा कैंपस

दीर्घकालिक (सात से 10 वर्ष)

लविवि ने अपने दीर्घकालिक लक्ष्यों में अंतरराष्ट्रीय शिक्षक, ऑनलाइन शिक्षण सहयोग, छात्र आदान-प्रदान और दोहरी डिग्री पाठ्यक्रमों के माध्यम से वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगा। इसके तहत विदेश में कैंपस स्थापित करने, अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने और भारत में सहयोग के लिए एक शोध भागीदार बनने की योजना है।

लविवि के छात्र आरिज ने जीता रजत

लखनऊ। लविवि के लाल बहादुर शास्त्री एमए के छात्र आरिज अहमद आबिदी ने मध्य प्रदेश के देवास में आयोजित 10वीं राष्ट्रीय ग्रैपलिंग चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। लखनऊ विश्वविद्यालय एथलेटिक एसोसिएशन के चेयरमैन प्रो. रूपेश कुमार ने बताया कि फाइनल मुकाबले में लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र आरिज अहमद ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, हालांकि उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। आरिज विवि में प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग में एमए द्वितीय सेमेस्टर के छात्र हैं। उनकी इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शुभकामनाएं दीं हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

छात्रावास में की सफाई, पौधों को दिया पानी

लखनऊ। लविवि के लाल बहादुर शास्त्री छात्रावास में रविवार को स्वच्छ विश्वविद्यालय-स्वच्छ छात्रावास अभियान चला। इसमें किशन पांडेय, अक्षत राय, स्नेहल राय, राहुल यादव, सौरभ श्रीवास्तव, हरि प्रताप सिंह, राज पटेल, हर्षित गुप्ता, आकाश प्रताप सिंह, ओंकार गुप्ता, शैलेश प्रताप सिंह, गौरव सिंह, मोहित दीक्षित आदि छात्रों ने अपने-अपने कमरे सहित छात्रावास के सभी विंग और गार्डन-लान व मां सरस्वती मंदिर की साफ-सफाई की। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 6

तीन से सात वर्ष की अवधि में विश्वविद्यालय में शुरू होंगे नए संकाय

रोजगार के ज्यादा अवसर वाला कोर्स बनाएगा एलयू

तैयारी

- भविष्य के अवसरों के आधार पर नये अध्ययन क्षेत्र पेश किये जायेंगे
- आधुनिक इंटरएक्टिव शिक्षण उपकरणों से लैस नई शिक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित होंगी

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। एलयू में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप पाठ्यक्रम के निरंतर उन्नयन की शुरुआत करेगा, जो एक समग्र दृष्टिकोण और अंतःविषय विषयों पर जोर देता है। बाजार में रोजगार की मांग और भविष्य के अवसरों के आधार पर नये अध्ययन क्षेत्र पेश किये जायेंगे।

दस वर्षीय विजन अकादमिक डाक्यूमेंट से परिचित कराते हुए डीन अकादमिक प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि जहां तक शैक्षणिक क्षेत्र का संबंध है, विश्वविद्यालय छात्रों को सीखने का एक समृद्ध अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए विश्वविद्यालय अगले दशक के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में अपने लिए उन्नत लक्ष्य निर्धारित करने के लिए एक विजन प्लान लेकर आया है। विश्वविद्यालय फैशन डिजाइनिंग, फूलों की खेती, पुष्प शिल्प, जैविक खेती, बीज गुणवत्ता/ व्यवहार्यता परीक्षण, खाद्य परीक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा और अन्य विषयों के बीच पुल बनाकर व्यावसायिक कौशल बनाने की भी योजना बना रहा है। पेशेवरों को बाजार प्रासंगिक कौशल से लैस करने के लिए और अधिक अल्पकालिक पाठ्यक्रम पेश किये जायेंगे। व्यवहार विज्ञान, सांख्यिकीय मॉडलिंग आदि जैसे उन्नत अध्ययन के केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे। वहीं, दीर्घकालिक लक्ष्यों (7-10 वर्ष) में विश्वविद्यालय का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय शिक्षक, ऑनलाइन शिक्षण सहयोग, छात्र आदान-प्रदान और दोहरी डिग्री पाठ्यक्रमों के माध्यम से वैश्विक शिक्षण अनुभव देना है। डीन अकादमिक ने बताया कि नॉलेज पार्कों की स्थापना अनुसंधान, शोध के निष्कर्षों को समाज में प्रसारित करने से सुलभ ज्ञान बैंकों को बनाने के लिए की जाएगी। विवि की विदेश में कैंपस स्थापित करने, अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने और भारत में सहयोग के लिए एक शोध भागीदार बनने की योजना है।

'सैटेलाइट से मिला डाटा जल प्रबंधन के लिए वरदान'

लखनऊ। एलयू के भूविज्ञान विभाग में सात दिवसीय डीएसटी-एसटीयूटीआई कार्यक्रम के छठे दिन चार व्याख्यान दिए गए। यूपीईएस विश्वविद्यालय, देहरादून के प्रोफेसर केएस मिश्रा ने पहले व्याख्यान में इलाके की योजना बनाने और बड़े पैमाने पर समझने के उद्देश्य से जमीन पर जल संसाधनों के प्रबंधन पर उपग्रह डाटा की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों पर चर्चा की जहां विभिन्न प्रकार की भूगर्भीय स्थितियां विभिन्न प्रकार के जल संसाधनों के लिए जिम्मेदार हैं, जैसे कि मध्य प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, असम, उत्तराखंड। उन्होंने यह भी दिखाया कि मंगल ग्रह, जिसके पास कभी विशाल जल संसाधन था अब पूरी तरह से समाप्त हो गया है। पृथ्वी अवलोकन के लिए राडार उपग्रह डेटा पर उनका जोर जो पृथ्वी वैज्ञानिकों के लिए वरदान साबित हो सकता है।

एलयू के छात्र को ग्रैपलिंग में मिला रजत पदक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र आरिज अहमद आबिदी को ग्रैपलिंग चैम्पयनशिप में रजत पदक मिला है। एलयू एथलेटिक्स एसोसिएशन के चेयरमैन प्रो. रूपेश कुमार ने बताया कि मध्य प्रदेश के देवास में आयोजित दसवीं राष्ट्रीय ग्रैपलिंग चैंपियनशिप फाइनल मुकाबले में आरिज अहमद को रजत पदक मिला।

i-NEXT PAGE 4

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने अपने विजन प्लान को अंतिम रूप दिया

नैनो टेक्नोलॉजी में भी महारथी बनेंगे यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स

GOOD NEWS

एलयू ने 10 साल का विजन प्लान फाइनल कर राजभवन को भेजा

- नैनो टेक्नोलाजी, फूड साइंस व डेटा साइंस कोर्स शुरू होंगे

नालेज पार्कों की स्थापना

लखनऊ यूनिवर्सिटी शोध को बढ़ावा देने के लिए नालेज पार्क विकसित करेगी. प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि इसमें शोध के लिए संसाधन, शोध के निष्कार्षों को समाज में प्रसारित करने एवं सार्वजनिक रूप से सुलभ बनाने सहित कई सुविधाएं होंगी.

शुरू होंगे नए संकाय

विश्वविद्यालय नए संकायों की शुरुआत करके अपने अकादमिक स्तर को बढ़ाएगा. साथ ही अत्याधुनिक इंटरैक्टिव शिक्षण उपकरणों से लैस नई शिक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी. पेशेवरों को बाजार प्रासंगिक कौशल से लैस करने के लिए और अधिक अल्पकालिक पाठ्यक्रम पेश किए जाएंगे. व्यवहार विज्ञान, सांख्यिकीय मॉडलिंग आदि जैसे उन्नत अध्ययन के अंतःविषय केंद्र भी स्थापित होंगे.

LUCKNOW (4 JUNE): लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने 10 साल के विजन प्लान को फाइनल रूप देकर राजभवन भेज दिया है. अपने एकेडमिक प्लान के तहत विश्वविद्यालय बाजार की मांग और भविष्य के अवसरों को ध्यान में रखकर कई नए कोर्स शुरू करेगा. इसमें बीएससी नैनो टेक्नोलाजी, फूड साइंस एंड टेक्नोलाजी, बीए इंडिक स्टडीज, बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (डेटा साइंस), प्रोडक्शन एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग, एमफार्मा के साथ-साथ फार्मेसी एवं इंजीनियरिंग में पीएचडी भी की जा सकेगी।

विजन के तहत होगा काम

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी विभागों से 10 साल का विजन प्लान तैयार करने के लिए कहा था. अब विभागों के विजन प्लान के आधार पर फाइनल प्लान राजभवन भेजा गया है. कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय अगले दशक के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में अपने लिए उन्नत लक्ष्य निर्धारित करने के लिए अपने विजन प्लान के तहत कार्य करेगा.

विश्व स्तर का बनेगा सिलेबस

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विजन प्लान अल्पावधि, मध्यावधि और दीर्घकालिक स्तर पर बनाया गया है. इसके तहत अपने सिलेबस को विश्व स्तर का बनाएंगे. इसमें एशियाई इतिहास, भारतीय संस्कृति का वैश्वीकरण, आधुनिक भारतीय ज्ञान प्रणाली, समकालीन इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं के योगदान और राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन की विभिन्न धाराओं जैसे राष्ट्रीय रूप से प्रासंगिक मुद्दों को भी शामिल किया जाएगा.

स्किल डेवलपमेंट के कोर्स

विजन प्लान के तहत विश्वविद्यालय फैशन डिजाइनिंग, फूलों की खेती, पुष्प शिल्प, जैविक खेती, बीज की गुणवत्ता, व्यवहार्यता परीक्षण, खाद्य परीक्षण, अक्षय ऊर्जा सहित अन्य विषयों में स्किल डेवलपमेंट कोर्स शुरू होंगे, ताकि छात्र-छात्राओं को रोजगारपरक बनाया जा सके. इसके अलावा एनईपीके तहत एक साल का पीजी कोर्स व इंटीग्रेटेड पीएचडी कोर्स भी शुरू होगा.

एलबीएस हॉस्टल में स्वच्छता अभियान

हर रविवार चलाया जाएगा स्वच्छता अभियान

LUCKNOW (4 JUNE): लखनऊ विश्वविद्यालय के लाल बहादुर शास्त्री (एलबीएस) हास्टल के अंत:वासी किशन पांडेय ने रविवार को अन्य छात्रों के साथ स्वच्छ विश्वविद्यालय-स्वच्छ छात्रावास अभियान चलाया. इसमें हास्टल के अक्षत राय, स्नेहल राय, राहुल यादव, सौरभ श्रीवास्तव, हरि प्रताप सिंह, राज पटेल, हर्षित गुप्ता, आकाश प्रताप सिंह सहित अन्य सभी छात्रों ने कमरे, हास्टल के विंग और गार्डन-लान से लेकर मां सरस्वती के मंदिर की साफ सफाई की.

लाइब्रेरी की भी सफाई

हास्टल के पौधों को पानी दिया. ओपन जिम, लाइब्रेरी, कामन रूम की भी सफाई की. छात्रों ने हर रविवार को स्वच्छता अभियान चलाने का निर्णय लिया. अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि हास्टल के अधीक्षक डा. राजेश्वर यादव ने अलग-अलग कमेटी बनाई है.

एलयू छात्र ने जीता रजत पदक

एलयू के प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग में एमए द्वितीय सेमेस्टर के छात्र छात्र एरिज अहमद ने मध्य प्रदेश के देवास में आयोजित 10वीं राष्ट्रीय ग्रैपलिंग चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में रजत पदक जीता. छात्र की जीत पर वीसी प्रो. आलोक कुमार राय, एलयू एथलेटिक एसोसिएशन के चेयरमैन प्रो. रूपेश कुमार ने बधाई दी.

रडार डेटा जल संसाधन प्रबंधन के लिए वरदान

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रो. आरएस मिश्रा ने रखे विचार

LUCKNOW (4 JUNE): लखनऊ विश्वविद्यालय के भू-विज्ञान विभाग में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में यूपीईएस विश्वविद्यालय देहरादून के प्रोफेसर आरएस मिश्रा ने जमीन पर जल संसाधनों के प्रबंधन पर उपग्रह डेटा की भूमिका पर जोर दिया. उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों पर चर्चा की, जहां विभिन्न प्रकार की भूगर्भीय स्थितियां विभिन्न प्रकार के जल संसाधनों के लिए जिम्मेदार हैं. जैसे मध्य प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, असम, उत्तराखंड और उन्होंने दिखाया कि मंगल ग्रह जहां विशाल जल संसाधन था, अब पूरी तरह से समाप्त हो गया है. पृथ्वी अवलोकन के लिए राडार उपग्रह डेटा पर उनका जोर जो पृथ्वी वैज्ञानिकों के लिए वरदान साबित हो सकता है.

व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया

एलयू के डा. दयाशंकर सिंह ने सॉफ्टवेयर रॉकवेयर पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया. लखनऊ के इतिहासकारों में से एक डा. रवि भट्ट, डी लिटिल ने इस बात पर बल दिया कि प्राचीन काल में नवाबों के समय जल संसाधनों का किस प्रकार संरक्षण किया जाता था. वह सभी प्रतिभागियों को बावली का वह पहलू दिखाने के लिए बड़ा इमामबाड़ा ले गए, जिसमें निरंतर उपयोग के लिए जल संरक्षण विकसित किया गया था.

JAGRAN CITY PAGE III

नैनो टेक्नोलाजी, फूड व डेटा साइंस कोर्स होंगे शुरू

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने 10 साल के विजन प्लान को फाइनल रूप देकर राजभवन भेज दिया है। अपने एकेडमिक प्लान के तहत विश्वविद्यालय बाजार की मांग और भविष्य के अवसरों को ध्यान में रखकर कई नए कोर्स शुरू करेगा। इसमें बीएससी नैनो टेक्नोलाजी, फूड साइंस एंड टेक्नोलाजी, बीए इंडिक स्टडीज, बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (डेटा साइंस), प्रोडक्शन एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग, एमफार्मा के साथ-साथ फार्मेसी एवं इंजीनियरिंग में पीएचडी भी की जा सकेगी।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी विभागों से 10 साल का विजन प्लान तैयार करने के लिए कहा था। अब विभागों के विजन प्लान के आधार पर फाइनल प्लान राजभवन भेजा गया है। कुलपति

10 साल का विजन प्लान फाइनल कर लखनऊ विश्वविद्यालय ने राजभवन को भेजा

नालेज पार्कों की स्थापना

लवि शोध को बढ़ावा देने के लिए नालेज पार्क विकसित करेगा। प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि इसमें शोध के लिए संसाधन, शोध के निष्कार्षों को समाज में प्रसारित करने एवं सार्वजनिक रूप से सुलभ बनाने सहित कई सुविधाएं होंगी।

ने बताया कि विश्वविद्यालय अगले दशक के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में अपने लिए उन्नत लक्ष्य निर्धारित करने के लिए अपने विजन प्लान के तहत कार्य करेगा।

विश्व स्तर का बनेगा सिलेबस : अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विजन प्लान अल्पावधि, मध्यावधि और दीर्घकालिक स्तर पर बनाया गया है। इसके तहत अपने सिलेबस को विश्व स्तर का बनाएंगे। इसमें एशियाई इतिहास, भारतीय संस्कृति का वैश्वीकरण, आधुनिक भारतीय ज्ञान प्रणाली, समकालीन इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं के योगदान और राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन की विभिन्न धाराओं जैसे राष्ट्रीय रूप से प्रासंगिक मुद्दों को भी शामिल किया जाएगा।

स्किल डेवलपमेंट के कोर्सों की पढ़ाई: विजन प्लान के तहत विश्वविद्यालय फैशन डिजाइनिंग, फूलों की खेती, पुष्प शिल्प, जैविक खेती, बीज की गुणवत्ता, व्यवहार्यता परीक्षण, खाद्य परीक्षण, अक्षय ऊर्जा सहित अन्य विषयों में स्किल डेवलपमेंट कोर्स शुरू होंगे, ताकि छात्र-छात्राओं को रोजगारपरक बनाया जा सके। इसके अलावा एनईपीके तहत एक साल का पीजी कोर्स व इंटीग्रेटेड पीएचडी कोर्स भी शुरू होगा।

शुरू होंगे नए संकाय, बनेगी अत्याधुनिक लैब : विश्वविद्यालय नए संकायों की शुरुआत करके अपने अकादमिक स्तर को बढ़ाएगा। साथ ही अत्याधुनिक इंटरैक्टिव शिक्षण उपकरणों से लैस नई शिक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी। पेशेवरों को बाजार प्रासंगिक कौशल से लैस करने के लिए और अधिक अल्पकालिक पाठ्यक्रम पेश किए जाएंगे। व्यवहार विज्ञान, सांख्यिकीय माडलिंग आदि जैसे उन्नत अध्ययन के अंतःविषय केंद्र भी स्थापित होंगे।

आनलाइन के साथ कुछ जगह आफलाइन कक्षाएं

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालयों में रविवार से ग्रीष्मकालीन अवकाश शुरू हो गया है, विभागों से लेकर कालेजों तक में कई विषयों का कोर्स अभी पूरा नहीं है। ऐसे में कुछ ने आफलाइन तो कई जगह आनलाइन कक्षाएं शुरू करने की तैयारी कर ली है।

लवि के प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि प्राचीन इतिहास विभाग में सोमवार से सुबह 11 से दोपहर तीन बजे तक आफलाइन कक्षाएं होंगी। राजनीति शास्त्र विभाग, हिन्दी, एमआइएच सहित कई विभागों में आनलाइन कक्षाएं करके बचा हुआ कोर्स पूरा करेंगे। भौतिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एनके पांडेय ने बताया कि शिक्षकों से कहा गया है कि जिनका भी कोर्स बचा है, वह आनलाइन माध्यम से कक्षाएं लेकर एक सप्ताह में पूरा कर सकते हैं। एमएससी केमिस्ट्री व एमएससी

- लखनऊ विश्वविद्यालय एवं कई डिग्री कालेजों ने कोर्स पूरा कराने के लिए बनाई योजना

फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री चौथे सेमेस्टर की कक्षाएं भी सोमवार से आनलाइन होंगी। इंजीनियरिंग संकाय में एमसीए द्वितीय सेमेस्टर की कक्षाएं आनलाइन होने की सूचना छात्र-छात्राओं को दे दी गई है। विधि संकाय में भी कहा गया है कि यदि शिक्षक का कोर्स बचा है तो आनलाइन या आफलाइन कक्षाएं लेकर पूरा कर सकते हैं।

कालीचरण पीजी कालेज

प्राचार्य प्रो. चंद्रमोहन उपाध्याय बीए पालिटिकल साइंस द्वितीय सेमेस्टर का कोर्स पूरा कराने के लिए सप्ताह में तीन दिन मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को आफलाइन कक्षाएं लेंगे। इसकी सूचना छात्र-छात्राओं को दे दी गई है। वहीं, अन्य शिक्षकों से भी आनलाइन कोर्स पूरा कराने के लिए कहा जाएगा।

एपी सेन मेमोरियल गर्ल्स पीजी कालेज

यहां फिजिकल एजुकेशन व एनसीसी का कुछ कोर्स बचा है। उसे पूरा कराने के लिए सोमवार से आफलाइन कक्षाएं लगेंगी। प्राचार्य प्रो. रचना श्रीवास्तव ने बताया कि अन्य विषयों की कक्षाएं आनलाइन होंगी।

कृष्णा देवी गर्ल्स कालेज

कालेज की प्राचार्य प्रो. सारिका दूबे ने बताया कि सोशियोलाजी, एजुकेशन, फिजिकल एजुकेशन, हिन्दी और संस्कृत में थोड़ा कोर्स बचा है। आनलाइन कक्षाएं लेकर कोर्स पूरा कराया जाएगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय के एलबीएस हास्टल में स्वच्छता अभियान

लखनऊ विश्वविद्यालय के लाल बहादुर शास्त्री (एलबीएस) हास्टल के अंत:वासी किशन पांडेय ने रविवार को स्वच्छ विश्वविद्यालय- स्वच्छ छात्रावास अभियान चलाया। इसमें हास्टल के अक्षत राय, स्नेहल राय, राहुल यादव, सौरभ, हरि प्रताप, राज पटेल, हर्षित गुप्ता, आकाश सिंह ने कमरे और गार्डन-लान से लेकर मां सरस्वती मंदिर की सफाई की ● तो. लवि

लवि छात्र ने जीता रजत पदक

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग में एमए द्वितीय सेमेस्टर के छात्र छात्र एरिज अहमद ने मध्य प्रदेश के देवास में आयोजित 10वीं राष्ट्रीय ग्रैपलिंग चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में रजत पदक जीता। छात्र की जीत पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, लवि एथलेटिक एसोसिएशन के चेयरमैन प्रो. रूपेश कुमार ने बधाई दी। (जासं)

कहीं ऑन तो कहीं ऑफलाइन होगा कोर्स पूरा

एलयू एवं कई डिग्री कालेजों ने कोर्स पूरा कराने के लिए बनाई योजना

LUCKNOW (4 JUNE): लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालयों में रविवार से ग्रीष्मकालीन अवकाश शुरू हो गया है, लेकिन विभागों से लेकर कालेजों तक में कई विषयों का कोर्स अभी पूरा नहीं है. ऐसे में कुछ ने आफलाइन तो कई जगह आनलाइन कक्षाएं शुरू करने की तैयारी कर ली है. छात्र-छात्राओं को भी इसके लिए सूचित कर दिया गया है.

एक सप्ताह में कर सकते हैं

एलयू के प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि प्राचीन इतिहास विभाग में सोमवार से सुबह 11 से दोपहर तीन बजे तक आफलाइन कक्षाएं होंगी. राजनीति शास्त्र विभाग, हिन्दी, एमआइएच सहित कई विभागों में आनलाइन कक्षाएं करके बचा हुआ कोर्स पूरा करेंगे. भौतिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एनके पांडेय ने बताया कि शिक्षकों से कहा गया है कि जिनका भी कोर्स बचा है, वह आनलाइन माध्यम से कक्षाएं लेकर एक सप्ताह में पूरा कर सकते हैं.

एपी सेन गर्ल्स पीजी कॉलेज

यहां फिजिकल एजुकेशन व एनसीसी का कोर्स बचा है. उसे पूरा कराने के लिए सोमवार से आफलाइन कक्षाएं लगेंगी. प्राचार्य प्रो. रचना श्रीवास्तव ने बताया कि अन्य विषयों की कक्षाएं आनलाइन होंगी.

कृष्णा देवी गर्ल्स कॉलेज

कालेज की प्राचार्य प्रो. सारिका दूबे ने बताया कि सोशियोलाजी, एजुकेशन, फिजिकल एजुकेशन, हिन्दी और संस्कृत में थोड़ा कोर्स बचा है. आनलाइन कक्षाएं लेकर कोर्स पूरा कराया जाएगा.

ऑनलाइन क्लास होगी

एमएससी केमिस्ट्री व एमएससी फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री चौथे सेमेस्टर की कक्षाएं भी सोमवार से आनलाइन होंगी. इंजीनियरिंग संकाय में एमसीए द्वितीय सेमेस्टर की कक्षाएं आनलाइन होने की सूचना छात्र-छात्राओं को दे दी गई है. विधि संकाय में भी कहा गया है कि यदि शिक्षक का कोर्स बचा है तो आनलाइन या आफलाइन कक्षाएं लेकर पूरा कर सकते हैं.

VoL PAGE 4

लविवि में बाजार की मांग के अनुसार तैयार होंगे कोर्स

लविवि की डीन अकादमिक प्रो. पूनम टंडन ने बताया विश्वविद्यालय के भविष्य का रोडमैप

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप पाठ्यक्रम के निरंतर उन्नयन की शुरूआत करेगा, जो एक समग्र दृष्टिकोण और अंतःविषय विषयों पर जोर देता है। बाजार की मांग और भविष्य के अवसरों के आधार पर नये अध्ययन क्षेत्र पेश किये जायेंगे।

इसकी जानकारी देते हुए डीन अकादमिक प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि जहांतक शैक्षणिक क्षेत्र का संबंध है, विश्वविद्यालय अपने छात्रों को सीखने का एक समृद्ध अनुभव देनेके लिए बहुत शुरूआत में प्रतिबद्ध है, जिसे तीन चरणों में नियोजित और प्राप्त किया जाएगा, अर्थात अल्पावधि, मध्यावधि और दीर्घकालिक। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के दूरदर्शी मार्गदर्शन में लविवि उत्कृष्टता के लिए उच्च स्तर उच्च मानदंड स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए विश्वविद्यालय अगलेदशक के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में अपने लिए उन्नत लक्ष्य निर्धारित करने के लिए एक विजन प्लान लेकर आया है।

इसके अलावा विवि फैशन डिजाइनिंग, फूलों की खेती, पुष्प शिल्प, जैविक खेती, बीज गुणवत्ता/व्यवहार्यता परीक्षण, खाद्य परीक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा और अन्य विषयों के बीच पुल बनाकर व्यावसायिक कौशल बनाने की भी योजना बना रहा है। साथ ही स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीयविशेषज्ञों के साथ अधिक अनुभवात्मक सीखने के लिए छात्रों के लिए रास्ते बनाने पर जोर दिया जाएगा। 3-7 वर्षों की अवधि में, विवि नए संकायों की शुरूआत करके अपने अकादमिक हितिज को और विस्तारित करने की उम्मीद करता है। अत्याधुनिक इंटरैक्टिव शिक्षण उपकरणों से लैस नई शिक्षण प्रयोगशालाओं का और उन्नयन और स्थापना की जाएगी। पेशेवरों को बाजार प्रासंगिक कौशल से लैस करने के लिए और अधिक अल्पकालिक पाठ्यक्रम पेश किये जायेंगे। व्यवहार विज्ञान, सांख्यिकीय मॉडलिंग आदि जैसे उन्नत अध्ययन के अंतःविषय केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे। वहीं, दीर्घकालिक लक्ष्यों (7-10 वर्ष) में विवि का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक, ऑनलाइन शिक्षण सहयोग, छात्र आदान-प्रदान और दोहरी डिग्री पाठ्यक्रमों के माध्यम से वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगा। इसके तहत विदेश में कैंपस स्थापित करने, अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने और भारत में सहयोग के लिए एक शोध भागीदार बनने की योजना है। नॉलेज पार्कों की स्थापना अनुसंधान, शोध अनुप्रयोगों, शोध के निष्कर्षों को समाज में प्रसारित करने और सार्वजनिक रूप से सुलभ ज्ञान बैंकों को बनाने के लिए की जाएगी। विवि के विश्वेषणात्मक ज्ञान को नीति मूल्यांकन तक बढ़ाया जाएगा। सरकारी नीतियों के कार्यान्वयन में सहायता करने, शोध-आधारित सामाजिक फीडबैक लूप बनाने और नीति-निर्माण में योगदान करनेपर जोर दिया जाएगा। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहलों द्वारा वित्तपोषित नवोन्मेष केंद्रों, हितधारकों की भागीदारी और चेयर प्रोफेसरशिप की स्थापना के माध्यम से नवोन्मेष को प्रोत्साहित किया जाएगा।

छात्रों ने छात्रावास में की सफाई

लखनऊ। लविवि के लाल बहादुर शास्त्री (एलबीएस) छात्रावास के अंत:वासी किशन पाण्डेय ने अपने छात्रावास के साथियों से स्वच्छ विश्वविद्यालय - स्वच्छ छात्रावास अभियान के लिए आवाह्न किया, जिस पर छात्रावास में मौजूद छात्रों में अक्षत राय, स्नेहल राय, राहुल यादव, सौरभ श्रीवास्तव, हरि प्रताप सिंह, राज पटेल, हर्षित गुप्ता, आकाश प्रताप सिंह, ओंकार गुप्ता, शैलेश प्रताप सिंह, गौरव सिंह, मोहित दीक्षित अन्य और छात्रों ने बढ़ चढकर हिस्सा लिया। अपने-अपने कमर